13.12.21. पत्रावली पेश हुई। बार-बार आवाज दिये जाने के उपरान्त भी न अधि० अपी० न अपीलान्ट स्वयं उपस्थित आये पत्रावली का अवलोकन किया पत्रावली लम्बे समय से रेस्पा० 5 के का० मु० की कार्यवाही में दरकार है। आज भी कोई उप० नहीं है। अतः पत्रावली अदम पैरवी, अदम हाजरी व अदम तकमील में खारिज की जाती है। पत्रा० फैसल शुमार होकर नम्बर से कम की जावे, बाद जाब्ता दाखिल दफ्तर हो।

[signature]

[illegible] अधिकारी,
पदेन
[illegible] अपील अधिकारी
[illegible]-जौनपुर